THE Art OF Ruling

शासन की कला - राजनीतिक शासन

अरिस्टेस के पत्र

राजा के अनुमोदन के साथ जवाब मिललै आरू अगला के पूछताछ करलकै, 'शासन के लेलऽ सबसें आवश्यक योग्यता की छै?' ओ उत्तर देलनि, 'अपना कैँ घूस सँ मुक्त राखब आ जीवनक अधिकांश भाग मे संयमक अभ्यास करब, सभ सँ ऊपर धर्म कैँ सम्मान देब आ एहि प्रकारक मनुष्य सँ मित्र बनाबय।' कारण भगवान सेहो न्यायक प्रेमी छथि! अरस्तिया के पत्र 8:12-13

राजा अपन सहमति के संकेत देलखिन आ दोसर के कहलखिन, 'राजत्व के सार की छै?' आ ओ उत्तर देलनि, 'अपना कैँ नीक जकाँ शासन करब आ धन वा यश सँ असमय वा अनुचित इच्छा मे भटकब नहि, ई सही तरीका अछि जँ अहाँ बात कैँ नीक जकाँ तर्क करब।' कारण जे अहाँ कैँ वास्तव मे जे किछु चाही से अहाँक अछि, आ भगवान् जरूरत सँ मुक्त आ सौम्य छथि। अहाँक विचार एहन हो जे मनुक्ख बनि जाय, आ बहुत रास चीजक इच्छा नहि करू बल्कि केवल एहन चीजक इच्छा करू जे शासन करबाक लेल आवश्यक हो! अरस्तिया के पत्र 8:15-16

दोसर दिन सेहो एहने व्यवस्था देखल गेल, आ जखन राजा कैँ पुरुष लोकनि सँ प्रश्न पूछबाक अवसर भेटलनि त' अगिला पूछताछ लेल जे बचल छल, ताहि मे सँ पहिल सँ प्रश्न केलनि, सरकारक उच्चतम रूप की होइत छैक? आ ओ उत्तर देलखिन, 'अपना पर शासन करब आ आवेग सँ बहकि नहि जायब।' कारण सभ मनुष्यक मनक एकटा निश्चित स्वाभाविक झुकाव होइत छैक | संभव अछि जे अधिकांश पुरुषक झुकाव भोजन-पान आ भोग-विलासक प्रति होइत छनि, आ राजाक झुकाव इलाका आ पैघ प्रसिद्धि प्राप्त करबाक दिस होइत छनि | मुदा नीक बात जे सभ बात मे संयम हेबाक चाही। अरिस्टियस के पत्र 8:26-27

राजा ओहि आदमी के सौहार्दपूर्ण स्वागत केलनि आ अगिला सं पूछलखिन्ह जे एहि सवाल के जवाब दिअ जे सहजता आ सुख के जीवन सं कोना बचि सकैत छी? आ ओ उत्तर देलनि, 'जँ हुनका निरंतर मोन पड़ैत छलनि जे ओ कोनो पैघ साम्राज्यक शासक आ विशाल भीड़क स्वामी छथि, आ हुनकर मोन कैँ आन बात मे व्यस्त नहि रहबाक चाही, अपितु, हुनका सदिखन ई विचार करबाक चाही जे ओ हुनका लोकनिक कल्याण कैँ कोना सर्वोत्तम रूप सँ बढ़ावा द' सकैत छथि।' ओकरा भगवान् सँ सेहो प्रार्थना करय पड़तैक जे कोनो कर्तव्यक उपेक्षा नहि हो।' अरिस्टियस के पत्र 9:17-18

...'मनुष्य अपना कैँ घमंड सँ कोना बचा सकैत अछि?' आ ओ उत्तर देलखिन, 'जँ ओ समानता बनौने रहथि आ सभ अवसर पर मोन राखथि जे ओ पुरुष पर शासन करयवला आदमी छथि।' आ परमेश् वर घमंडी लोक सभ कैँ अन् यवश करैत छथि, आ नम्र आ विनम्र लोक कैँ उदात्त करैत छथि! अरिस्टियस के पत्र 9:45-46

राजा कहलथिन जे ई आदमी सेहो नीक बाजल अछि, आ अगिला गोटे सँ पुछलनि जे, हमरा सभ कैँ केकरा राज्यपाल नियुक्त करबाक चाही? ओ उत्तर देलथिन, 'जे सभ दुष्टता सँ घृणा करैत अछि, आ अहाँक अपन आचरणक अनुकरण करैत अछि, ओ सभ धर्मपूर्वक काज करैत अछि जाहि सँ ओ सभ निरंतर नीक प्रतिष्ठा बनौने रहय।" कारण, हे पराक्रमी राजा, अहाँ एना करैत छी,' ओ कहलनि, 'आ परमेश् वर अहाँ कैँ धार्मिकताक मुकुट प्रदान कयलनि अछि।' अरस्तियाक पत्र १०:७-८

राजा किछु समय एहि आदमीक प्रशंसा मे बिता देलनि आ फेर सबसँ अंतिम पूछलनि जे साम्राज्य पर शासन करबा मे सबसँ पैघ उपलब्धि की होइत छैक ? आ ओ उत्तर देलखिन, 'जे प्रजा निरंतर शांति के अवस्था में रहय, आ विवाद के मामला में न्याय जल्दी हो।' अरिस्टियस के पत्र 10:23-24

पंचतंत्र

हम ओकरा जनैत छी जे ओ अपन सन्तान आ ओकर बादक घरक लोक कैँ आज्ञा देथिन आ ओ सभ परमेश् वरक बाट धऽ कऽ न्याय आ न्याय करबाक लेल आज्ञा देताह। जाहि सँ परमेश् वर अब्राहम पर जे बात कहने छथि, तकरा परमेश् वर आनि सकथि। उत्पत्ति १८:१९

आर सभ लोक मे सँ परमेश् वरक भय, लोभ सँ घृणा करयवला सत् य मनुष् य सभक व्यवस्था करब। आ एहि तरहक लोक सभक ऊपर राखू, जे हजारो लोकक शासक, सैकड़ोक शासक, पचासक शासक आ दसक शासक बनय, आ ओ सभ समय-समय पर लोक सभक न्याय करथि। निष्कासन 18:21-22

अहाँ कोनो झूठ खबरि नहि उठाउ, अधर्मक गवाह बनबाक लेल दुष्टक संग हाथ नहि राखू। अहाँ भीड़क पाछाँ-पाछाँ अधलाह काज नहि करब। आ ने अहाँ बहुतो लोकक पाछाँ हटबाक कारणेँ बाजब जाहि सँ न् याय छुटब। अहाँ अपन गरीबक न् याय ओकर काज मे नहि तोड़ब। अहाँ कैँ कोनो झूठ बात सँ दूर राखू। निर्दोष आ धर्मी कैँ अहाँ नहि मारू, किएक तँ हम दुष्ट कैँ धर्मी नहि मानब।" निकासी २३:१-३,६-७

अहाँ सभ न् याय मे कोनो अधर्म नहि करब, गरीबक आदर नहि करब आ ने पराक्रमी कैँ आदर करब, बल् कि धार्मिकता मे अपन पड़ोसीक न् याय करब। अहाँ सभ न्याय मे, आँगन मे, तौल मे आ नाप मे कोनो अधर्म नहि करू। लेवीय 19:15,35

अहाँ सभ बुद्धिमान आ बुद्धिमान आ अपन गोत्र मे जानल-पहचानल लोक सभ कैँ लऽ जाउ, आ हम ओकरा सभ कैँ अहाँ सभ पर शासक बना देब। हम ओहि समय मे अहाँ सभक न्यायाधीश सभ कैँ आज्ञा देलियनि जे, "अपन भाय सभक बीचक बात सुनू, आ एक-एक गोटे आ अपन भाय आ हुनका संग रहनिहार परदेशी सभक बीच धार्मिक न्याय करू।" अहाँ सभ न्याय मे व्यक्तिक आदर नहि करब। मुदा अहाँ सभ छोटक संग-संग पैघ कैँ सेहो सुनब। अहाँ सभ मनुष् यक मुँह सँ नहि डेरब। कारण, न् याय परमेश् वरक अछि। व्यवस्था 1:13,16-17

हे इस्राएल, आब हम अहाँ सभ कैँ जे नियम आ न् याय सिखाबैत छी, तकरा सभ कैँ सुनू, जाहि सँ अहाँ सभ जीवित रहब आ ओहि देश कैँ अपना मे समेटब जे अहाँ सभक पूर्वज सभक परमेश् वर अहाँ सभ कैँ दैत छथि। व्यवस्था 4:1

ओ अनाथ आ विधवाक न्याय करैत अछि आ परदेशी कैँ भोजन आ वस्त्र दऽ कऽ प्रेम करैत अछि। व्यवस्था 10:18

तोरा अपन सभ फाटक, जे तोहर परमेश् वर अहाँ केँ देथिन, ओहि मे अहाँ केँ न्यायाधीश आ अधिकारी बनाउ, आ ओ सभ लोक सभक न्याय केँ न्यायपूर्वक न्याय करत। अहाँ न् याय नहि करब। अहाँ लोकक आदर नहि करू आ ने कोनो वरदान लिअ, किएक तँ वरदान ज्ञानी सभक आँखि केँ आन्हर कऽ दैत अछि आ धर्मी सभक वचन केँ विकृत कऽ दैत अछि। व्यवस्था 16:18-19

जखन ओ अपन राज्यक सिंहासन पर बैसताह तखन ओ एहि व्यवस्थाक प्रतिलिपि हुनका लेवी पुरोहितक समक्ष मे जे किछु अछि, ओहि मे सँ एक पुस्तक मे लिखि देताह, आ ओ अपन जीवन भरि ओहि मे पढ़ताह, जाहि सँ ओ अपन परमेश् वर परमेश् वर सँ भय मानय, एहि नियम आ एहि विधान सभक सभटा वचन केँ पालन करब सीख सकय, जाहि सँ हुनकर मोन हुनका सँ ऊपर नहि उठय भाइ लोकनि, आज्ञा सँ दहिना वा बामा दिस नहि मुड़ि जाय, जाहि सँ ओ आ अपन संतान इस्राएलक बीच मे अपन राज् य मे अपन दिन बढ़ि सकथि। व्यवस्था 17:18-20

अहाँ परदेशी आ अनाथक न्याय केँ विकृत नहि करू। आ ने कोनो विधवाक वस्त्र प्रतिज्ञा करबाक लेल ली: व्यवस्था 24:17

जँ मनुष् य सभक बीच विवाद भऽ जाय आ ओ सभ न् याय मे अबैत छथि, जाहि सँ न्यायाधीश सभ हुनका सभक न् याय करथिन। तखन ओ सभ धर्मी केँ धर्मी ठहराओत आ दुष्ट केँ दोषी ठहराओत। व्यवस्था 25:1

जे परदेशी, पितामह आ विधवाक न् याय केँ विकृत करैत अछि, तकरा अभिशप्त होअय। सभ लोक कहत जे, “आमीन”। व्यवस्था 27:19

इतिहास

मुदा परमेश् वर न्यायाधीश सभ केँ ठाढ़ कयलनि, जे ओकरा सभ केँ लूटनिहार सभक हाथ सँ बचा लेलक। न्यायाधीश २:१६

हमर मोन इस्राएलक राज्यपाल सभक प्रति अछि जे लोक सभक बीच स्वेच्छा सँ अपना केँ अर्पित कयलनि। अहाँ सभ प्रभुक आशीष करू। न्यायाधीश 5:9

दाऊद समस्त इस्राएल पर राज केलनि। दाऊद अपन समस्त लोकक संग न्याय आ न्याय कयलनि। 2 शमूएल 8:15

इस्राएलक परमेश् वर कहलथिन, इस्राएलक चट्टान हमरा सँ बाजल, “जे मनुष् य पर राज करैत अछि, तकरा परमेश् वरक भय मे शासन करबाक चाही।” ओ भोरक इजोत जकाँ हेताह, जखन सूर्य उगैत अछि, ओहि भोर मे मेघ नहि। जेना बरखाक बाद साफ चमकि कए धरतीसँ निकलैत कोमल घास। 2 शमूएल 23:3-4

आब, हे हमर परमेश् वर, अहाँ हमर पिता दाऊदक बदला मे अपन सेवक केँ राजा बना लेलहुँ, आ हम मात्र छोट बच्चा छी, हमरा बाहर निकलब आ भीतर आबय नहि अबैत अछि। तेँ अपन सेवक केँ अपन लोकक न् याय करबाक लेल बुद्धिमान हृदय दिअ, जाहि सँ हम नीक-बेजाय मे भेद कऽ सकब। परमेश् वर केँ ई बात नीक लागल जे सुलेमान ई बात पुछलनि। परमेश् वर हुनका कहलथिन, “अहाँ ई बात माँगलहुँ आ अपना लेल दीर्घायु नहि माँगलहुँ। ने अपना लेल धन मँगलहुँ आ ने अपन शत्रु सभक जान मँगलहुँ। मुदा न् याय केँ बुझबाक

लेल अपना कैँ बुझबाक लेल माँगलहुँ। देखू, हम अहाँक वचनक अनुसार काज केलहुँ। तैँ अहाँ सँ पहिने अहाँ सन कियो नहि छल आ ने अहाँक बाद अहाँ सन कियो उठत।" 1 राजा 3:7-12

राजा द्वारा कयल गेल न्यायक विषय मे समस्त इस्राएल सुनलनि। ओ सभ राजा सँ डरैत छल, किएक तँ ओ सभ देखि रहल छल जे परमेश् वरक बुद्धि हुनका मे अछि जे ओ सभ न् याय करथि। 1 राजा 3:28

जँ अहाँ हमरा सँ पहिने जेना अहाँक पिता दाऊद चलैत छलाह, तेना मोन सँ निश्छलता आ सोझतापूर्वक चलब, जे हम अहाँ कैँ जे किछु आज्ञा देने छी, तकरा पालन करब आ हमर नियम आ हमर नियमक पालन करब इजरायल। 1 राजा 9:4-5

धन्य अछि तोहर आदमी, धन्य अछि ई तोहर सेवक, जे अहाँक सोझाँ मे निरंतर ठाढ़ रहैत अछि आ अहाँक बुद्धि कैँ सुनैत अछि। तोहर परमेश् वर परमेश् वर परमेश् वरक धन्य होउ जे अहाँ कैँ इस्राएलक सिंहासन पर बैसाबऽ मे प्रसन्न भेलाह, किएक तँ परमेश् वर इस्राएल सँ अनन् त काल धरि प्रेम करैत छलाह, तैँ अहाँ कैँ न्याय आ न्याय करबाक लेल राजा बनौलनि। 1 राजा 10:8-9

यारोबाम एकटा वीर पराक्रमी छल, आ सुलेमान ओहि युवक कैँ देखि जे ओ मेहनती अछि, ओकरा यूसुफक घरक सभ प्रभारी बना देलक। १ राजा ११:२८

तखन दाऊद समस्त इस्राएल पर राज केलनि आ अपन समस्त लोकक बीच न्याय आ न्याय कयलनि। 1 इतिहास 18:14

तखन अहाँ सफल होयब, जँ अहाँ इस्राएलक विषय मे परमेश् वर मूसा कैँ जे नियम आ निर्णय देलनि, तकरा पूरा करबाक लेल सावधान रहब। डरब नहि, आ ने निराश होउ। 1 इतिहास 22:13

हम हुनकर राज्य कैँ अनन्त काल धरि स्थापित करब, जँ ओ आइयो जकाँ हमर आज्ञा आ हमर निर्णय सभक पालन करैत रहत। 1 इतिहास 28:7

दाऊदक पुत्र सुलेमान अपन राज्य मे मजबूत भेलाह आ हुनकर परमेश् वर परमेश् वर हुनका संग छलाह आ हुनका बहुत पैघ कयलनि। 2 इतिहास 1:1

आब हमरा बुद्धि आ ज्ञान दिअ, जाहि सँ हम एहि लोक सभक सोझाँ मे निकलि कऽ भीतर आबि सकब, किएक तँ अहाँक एहि लोक सभक न् याय के कऽ सकैत अछि जे एतेक पैघ अछि? परमेश् वर सुलेमान कैँ कहलथिन, "किएक तऽ ई बात तोहर हृदय मे छल, आ ने तोहर धन, धन, आदर, आ ने अपन शत्रु सभक प्राण माँगलहुँ आ ने एखन धरि दीर्घायु माँगलहुँ। मुदा अहाँ अपना लेल बुद्धि आ ज्ञान मँगलहुँ जाहि सँ अहाँ हमर लोक सभक न्याय करी, जकरा पर हम अहाँ कैँ राजा बनौने छी। हम तोरा धन-सम्पत्ति आ आदर-सम्मान देबौक, जे तोरा सँ पहिने के कोनो राजा के नहि भेटल छल आ तोरा बाद के कियो एहन नहि होयत। 2 इतिहास 1:10-12

सुलेमान परमेश् वरक नामक लेल एकटा घर आ अपन राज्यक लेल एकटा घर बनेबाक निर्णय कयलनि। हुराम आगू बजलाह, "इस्राएलक परमेश् वर परमेश् वर परमेश् वर कैँ धन् य कयल जाय, जे स् वर्ग आ पृथ् वी कैँ बनौलनि, जे राजा दाऊद कैँ एकटा बुद्धिमान आ बुद्धिमान पुत्र देलनि, जे परमेश् वरक लेल घर आ अपन राज् यक लेल घर बना सकथि।" २ इतिहास २:१,१२

जँ अहाँ हमरा सोझाँ चलब जेना अहाँक पिता दाऊद चलैत छलाह आ हमरा जे आज्ञा देल गेल अछि ताहि अनुसारेँ चलब आ हमर नियम आ हमर नियमक पालन करब। तखन हम तोहर राज्यक सिंहासन केँ ओहिना ठाढ़ करब, जेना हम अहाँक पिता दाऊद सँ ई वाचा केने छी जे, "इस्राएल मे अहाँ केँ कोनो आदमी केँ शासक बनय मे कोनो कमी नहि होयत।" 2 इतिहास 7:17-18

तोहर परमेश् वर परमेश् वर केँ धन्य होअय, जे तोरा परमेश् वर परमेश् वरक राजा बनबाक लेल अपन सिंहासन पर बैसाबऽ मे प्रसन्न भेलाह। 2 इतिहास 9:8

न्यायाधीश सभ केँ कहलथिन, "अहाँ सभ जे काज करैत छी ताहि पर सावधान रहू, किएक तँ अहाँ सभ मनुष् यक लेल नहि, बल् कि न्यायक समय मे अहाँ सभक संग रहनिहार प्रभुक लेल न्याय करैत छी।" तेँ आब अहाँ सभ पर परमेश् वरक भय रहय। सावधान रहू आ पूरा करू, किएक तँ हमरा सभक परमेश् वर परमेश् वरक संग कोनो अधर्म नहि अछि, आ ने व्यक्तिक आदर, आ ने वरदान। 2 इतिहास 19:6-7

परमेश् वरक एहि घरक काज छोड़ू। यहूदी सभक राज्यपाल आ यहूदी सभक बुजुर्ग सभ हुनकर जगह पर परमेश् वरक ई घर बनाबथि। एज्रा 6:7

एज्रा अपन मन केँ परमेश् वरक धर्म-नियमक खोज करबाक लेल आ ओकरा पालन करबाक लेल आ इस्राएल मे नियम आ न्याय-नियमक शिक्षा देबाक लेल तैयार कएने छलाह। एज्रा 7:10

अहाँ एज्रा, अपन परमेश् वरक बुद्धिक अनुसार, जे अहाँक हाथ मे अछि, दंडाधिकारी आ न्यायाधीश सभ केँ राखू जे नदीक ओहि पारक सभ लोकक न्याय करथि, जे सभ अहाँक परमेश् वरक नियम सभ केँ जनैत छथि। जे ओकरा सभ केँ नहि चिन्हैत अछि, तकरा सभ केँ अहाँ सभ सिखाउ।" जे केओ तोहर परमेश् वरक नियम आ राजाक नियमक पालन नहि करऽ चाहैत अछि, से ओकरा पर जल्दी-जल्दी न् याय कयल जाय, चाहे ओ मृत्युक लेल हो, वा निर्वासित करबाक, वा सम् पत्ति जब्त करबाक, वा जेल मे रहबाक। एज्रा 7:25-26

हम अपन भाय हनानी आ राजमहलक शासक हनानिया केँ यरूशलेम पर काज करबाक अधिकार दऽ देलहुँ, किएक तँ ओ विश् वासयोग् य छलाह आ बहुतो लोक सँ परमेश् वर सँ बेसी भयभीत छलाह। नहेम्याह 7:2

कारण, मोर्दकै यहूदी राजा अहशूरक पाछाँ छलाह, आ यहूदी सभ मे महान छलाह आ अपन भाय सभक भीड़ सँ अपन लोकक धन-दौलत तकैत छलाह आ अपन समस्त वंशज सँ शान्तिक बात करैत छलाह। एस्थेर १०:३

हम सभ अपना सभक लेल न् याय चुनी, अपना-अपना मे ई जानि ली जे नीक की अछि। अय्यूब 34:4

भजन

मुदा परमेश् वर अनन्त काल धरि टिकल रहताह, ओ अपन सिंहासन केँ न्यायक लेल तैयार कयलनि अछि। ओ संसारक न् याय धार्मिकता सँ करताह, ओ लोक सभक न् याय सत् यता मे करताह। भजन 9:7-8

ओ धार्मिकता आ न्याय सँ प्रेम करैत अछि, पृथ् वी परमेश् वरक भलाई सँ भरल अछि। भजन 33:5

धन्य अछि ओ राष्ट्र जकर परमेश् वर प्रभु छथि; आ ओहि लोक सभ केँ, जकरा ओ अपन उत्तराधिकारक लेल चुनने छथि। भजन 33:12

कारण, परमेश् वर न् याय केँ प्रेम करैत छथि आ अपन पवित्र लोक केँ नहि छोड़ैत छथि। ओ सभ सदा-सदा लेल सुरक्षित अछि, मुदा दुष्टक वंश कटैत रहत। धर्मी के मुँह बुद्धि बजै छै आ ओकर जीह न्याय के बात करै छै। भजन 37:28,30

हे परमेश् वर, राजा केँ अपन न् याय आ अपन धार्मिकता राजाक पुत्र केँ दऽ दिअ। ओ तोहर लोक सभक न्याय धार्मिकता सँ करत आ तोहर गरीब सभक न्याय सँ। ओ लोकक गरीबक न्याय करत, गरीबक संतान केँ उद्धार करत आ अत्याचारी केँ टुकड़-टुकड़ करत। भजन 72:1-2,4

गरीब आ पितामहक रक्षा करू, पीड़ित आ गरीबक संग न्याय करू। गरीब आ जरूरतमंद केँ उद्धार करू, ओकरा दुष्टक हाथ सँ मुक्त करू। भजन 82:3-4

न्याय आ न्याय तोहर सिंहासनक निवास अछि, दया आ सत्य तोहर सामने चलत। भजन 89:14

मुदा न् याय धार्मिकता मे घुरि कऽ आओत। भजन 94:15

हुनका चारू कात मेघ आ अन्हार अछि, धर्म आ न्याय हुनकर सिंहासनक निवास अछि। भजन 97:2

राजाक सामर्थ्य सेहो न्याय सँ प्रेम करैत अछि। अहाँ समता स्थापित करैत छी, याकूब मे न्याय आ धार्मिकता करैत छी। भजन 99:4

परमेश् वर सभ दबल-कुचलल लोकक लेल धार्मिकता आ न्याय करैत छथि। भजन 103:6

धन्य अछि ओ सभ जे न्यायक पालन करैत अछि आ जे सभ समय मे धार्मिकता करैत अछि। भजन 106:3

ओकर हाथक काज सत्य आ न्याय थिक। ओकर सभ आज्ञा पक्का अछि। भजन 111:7

हम सत् य के बाट चुनने छी, तोहर न् याय हम अपना सोझाँ राखि देलहुँ। हमरा सद्विचार आ ज्ञान सिखाउ, किएक तँ हम अहाँक आज्ञा पर विश् वास कएने छी। हम शपथ खा लेने छी आ ओकरा पूरा करब जे हम अहाँक धार्मिक न्यायक पालन करब। हम न्याय आ न्याय केलहुँ, हमरा अपन अत्याचारी सभक हाथ मे नहि छोड़ू। भजन 119:30,66,106,121

धन्य अछि जे याकूबक परमेश् वर अपन सहायताक लेल रखैत अछि, जकर आशा ओकर परमेश् वर परमेश् वर पर अछि, जे स् वर्ग, पृथ् वी, समुद्र आ ओहि मे जे किछु अछि, तकरा बनौलनि। प्रभु कैदी सभ केँ ढीला करैत छथि: भजन 146:5-7

राजा सुलेमान के कहावत

इस्राएलक राजा दाऊदक पुत्र सुलेमानक फकड़ा। बुद्धि आ शिक्षा के जानय लेल; समझ के शब्द के बोध करना; बुद्धि, न्याय आ न्याय आ न्याय आ न्यायक शिक्षा प्राप्त करब। सरल केँ सूक्ष्मता देब, युवक केँ ज्ञान आ विवेक देब। नीतिवचन 1:1-4

किएक तँ परमेश् वर बुद्धि दैत छथिन, हुनकर मुँह सँ ज्ञान आ बुद्धि निकलैत अछि। ओ धर्मी लोकक लेल सुद्दढ़ बुद्धि जमा करैत छथि, ओ सोझ चलयवला सभक लेल बकरी छथि। ओ न्यायक बाट केँ पालन करैत छथि, आ अपन संत लोकनिक बाट केँ सुरक्षित रखैत छथि। तखन अहाँ धार्मिकता, न्याय आ न्याय केँ बुझब। हँ, हर नीक बाट। नीतिवचन 2:6-9

परमेश् वरक भय अधलाह सँ घृणा करब अछि, अहंकार, अहंकार, आ दुष् ट रस् ता आ क्रूर मुँह सँ घृणा करैत छी। सलाह हमर अछि आ नीक बुद्धि। हमरा मे ताकत अछि। हमरा द्वारा राजा सभ राज करैत छथि, आ राजकुमार सभ न्यायक आदेश दैत छथि। हमरा द्वारा राजकुमार सभ राज करैत छथि, आ कुलीन लोकनि, पृथ्वीक सभ न्यायाधीश सेहो। नीतिवचन 8:13-16

मेहनती के हाथ राज धारण करत, मुदा आलसी के कर के अधीन रहत। नीतिवचन 12:24

एकटा दिव्य वाक्य राजाक ठोर मे होइत छैक, ओकर मुँह न्याय मे उल्लंघन नहि करैत छैक | राजा सभक लेल अधलाह काज करब घृणित अछि, किएक तँ सिंहासन धार्मिकताक द्वारा स्थापित होइत अछि। धर्मी ठोर राजा लोकनिक आनन्द होइत छैक; ओ सभ ओहि बात सँ प्रेम करैत अछि जे सही बाजैत अछि। नीतिवचन 16:10,12-13

जे क्रोध मे मंद अछि, से पराक्रमी सँ नीक अछि। आ जे अपन आत् मा पर राज करैत अछि, से नगर पकड़निहार सँ बेसी। नीतिवचन 16:32

दुष्ट मनुष्य न्यायक बाट केँ विकृत करबाक लेल कोरा मे सँ वरदान निकालि लैत अछि। नीतिवचन 17:23

दुष्टक व्यक्ति केँ स्वीकार करब, न्याय मे धर्मी केँ उखाड़ि फेकब नीक नहि। नीतिवचन 18:5

न्यायक सिंहासन पर बैसल राजा अपन आँखि सँ सभ अधलाह केँ छिड़िया दैत अछि। नीतिवचन 20:8

बुद्धिमान राजा दुष्ट सभ केँ तितर-बितर करैत अछि आ ओकरा सभ पर चक्का अनैत अछि। नीतिवचन 20:26

दया आ सत्य राजा केँ सुरक्षित रखैत अछि, आ हुनकर सिंहासन दया सँ टिकल रहैत अछि। नीतिवचन 20:28

बलिदान सँ बेसी न्याय आ न्याय करब प्रभुक लेल बेसी स्वीकार्य अछि। दुष्ट सभक डकैती ओकरा सभ केँ नष्ट क' देतैक। कारण ओ सभ न्याय करबा सँ मना क' दैत छथि। नीतिवचन 21:3,7

धर्मी लोकक लेल न्याय करब आनन्दित होइत छैक, मुदा अधर्मक काज करयवला सभक लेल विनाश होयत। नीतिवचन 21:15

ई सब बात सेहो ज्ञानी लोकनिक होइत छैक। निर्णय मे व्यक्तिक सम्मान रहब नीक नहि। जे दुष्ट केँ कहैत अछि जे, "अहाँ धर्मी छी।" लोक ओकरा गारि देतैक, जाति ओकरा घृणा करतैक। नीतिवचन 24:23-25

जे अपन आत् मा पर कोनो शासन नहि करैत अछि, ओ एकटा एहन नगर जकाँ अछि जे टूटल-फूटल अछि आ बिना देबाल के। नीतिवचन 25:28

दुष्ट लोक न्याय नहि बुझैत अछि, मुदा जे परमेश् वरक खोज करैत अछि, सभ किछु बुझैत अछि। नीतिवचन 28:5

जेना गर्जैत सिंह, आ दूर-दूर धरि चलैत भालू; तहिना गरीब लोक पर दुष्ट शासक सेहो होइत अछि। नीतिवचन 28:15

जखन धर्मी लोक अधिकार मे रहैत अछि तखन लोक आनन्दित होइत अछि, मुदा जखन दुष्ट शासन करैत अछि तखन लोक शोक करैत अछि। नीतिवचन 29:2

राजा न्याय द्वारा देश कैँ स्थिर करैत अछि, मुदा जे वरदान लैत अछि, से ओकरा उखाड़ि दैत अछि। नीतिवचन 29:4

जँ कोनो शासक झूठ सुनैत अछि तँ ओकर सभ सेवक दुष्ट अछि। नीतिवचन 29:12

जे राजा निष्ठापूर्वक गरीबक न्याय करत, ओकर सिंहासन अनन्त काल धरि स्थापित होयत। नीतिवचन 29:14

बहुतो शासकक अनुग्रह चाहैत छथि; मुदा प्रत् येकक न् याय परमेश् वरक दिस सँ अबैत अछि। नीतिवचन 29:26

हे लेमुएल, राजा सभक लेल नहि, मदिरा पीब राजा सभक लेल नहि अछि। आ ने राजकुमार सभक लेल मद्यपानक लेल, कहीं ओ सभ पीबि कऽ धर्म-नियम बिसरि कऽ कोनो दुखी लोकक न् याय कैँ विकृत नहि करथि। नीतिवचन 31:4-5

विनाशक लेल निर्धारित सभ लोकक काज मे गूंगा सभक लेल मुँह खोलू। मुँह खोलू, धार्मिक न्याय करू, आ गरीब आ गरीबक मुद्दा पर गुहार लगाउ। नीतिवचन 31:8-9

और हम सूर्यक नीचाँ न्यायक स्थान देखलहुँ जे ओतय दुष्टता अछि। आ धर्मक स्थान, ओ अधर्म ओतहि छल। हम मोन मे कहलियनि, "परमेश् वर धर्मी आ दुष् ट लोकक न् याय करताह, किएक तँ ओतऽ सभ काज आ सभ काजक लेल समय होइत छैक।" उपदेशक 3:16-17

जँ अहाँ कोनो प्रदेश मे गरीबक अत्याचार आ न्याय आ न्याय कैँ हिंसक रूप सँ विकृत करब देखैत छी तँ एहि बात पर आश्चर्य नहि करू। आ हुनका सभसँ ऊँच सेहो होथि। उपदेशक 5:8

जे केओ आज्ञाक पालन करैत अछि, तकरा कोनो अधलाह बात नहि बुझल जायत, आ बुद्धिमानक हृदय समय आ निर्णय दुनू कैँ बूझैत अछि। कारण हर उद्देश्यक लेल समय आ निर्णय होइत छैक, तैँ मनुष्यक दुर्दशा ओकरा पर बेसी छैक | उपदेशक 8:5-6

भविष्यवक्ता

नीक करब सीखू; न्याय ताकू, उत्पीड़ित के राहत दियौ, अनाथ के न्याय करू, विधवा के लेल निहोरा करू। यशायाह 1:17

किएक तँ हमरा सभक लेल एकटा संतान भेल अछि, हमरा सभ केँ एकटा पुत्र देल गेल अछि, आ शासन ओकर कान्ह पर रहत। ओकर शासन आ शान्ति बढ़बाक कोनो अंत नहि होयत, दाऊदक सिंहासन पर आ ओकर राज्य पर, ओकरा व्यवस्थित करबाक लेल आ ओकरा न्याय आ न्यायक संग आब सँ अनन्त काल धरि स्थापित करबाक लेल। सेना सभक परमेश् वरक उत्साह एहि काज केँ पूरा करत। यशायाह 9:6-7

धिक्कार अछि जे सभ अधर्मक नियम बनबैत अछि आ जे सभ अपन निर्धारित दुख लिखैत अछि। जरूरतमंद सभ केँ न्याय सँ दूर करबाक लेल आ हमर लोकक गरीब सभक अधिकार छीनबाक लेल, जाहि सँ विधवा सभ ओकर शिकार बनि जाय आ अनाथ सभ केँ लूटि सकय! यशायाह १०:१-२

दया सँ सिंहासन स्थापित होयत, आ ओ दाऊदक तम्बू मे सत्य मे बैसि कऽ न्याय करत आ न्यायक खोज मे आ धार्मिकता मे जल्दीबाजी करत। यशायाह 16:5

देखू, कोनो राजा धार्मिकता मे राज करत, आ राजकुमार सभ न्याय मे राज करत। यशायाह 32:1

परमेश् वर ई कहैत छथि, "अहाँ सभ न्याय केँ पालन करू आ न्याय करू। यशायाह 56:1

अहाँ शपथ खाउ जे, "परमेश् वर सत् य, न् याय आ धार्मिकता मे जीवित छथि।" जाति-जाति सभ हुनका पर आशीर्वाद देत आ हुनका पर महिमा करत। यिर्मयाह 4:2

मुदा जे घमंड करैत अछि, से एहि बात पर गर्व करथि जे ओ हमरा बुझैत अछि आ हमरा चिन्हैत अछि, जे हम प्रभु छी जे पृथ् वी पर दया, न्याय आ धार्मिकता करैत छी, किएक तँ एहि सभ बात मे हमरा प्रसन्नता होइत अछि, ई परमेश् वर कहैत छथि। यिर्मयाह 9:24

हे दाऊदक घराना, परमेश् वर ई कहैत छथि। भोरे-भोर न्याय करू आ लूटल केँ अत्याचारी के हाथ सँ बचाउ, जाहि सँ हमर क्रोध आगि जकाँ नहि बुझि जाय आ जरि नहि जाय जे ओकरा कियो नहि बुझा सकैत अछि, अहाँ सभक काजक दुष्टताक कारणेँ। यिर्मयाह 21:12

परमेश् वर ई कहैत छथि। अहाँ सभ न्याय आ धार्मिकताक निर्वहन करू आ लूटल केँ अत्याचारी सभक हाथ सँ बचाउ। यिर्मयाह 22:3

परमेश् वर कहैत छथि जे देखू, एहन दिन आबि रहल अछि जे हम दाऊदक लेल एकटा धार्मिक डारि ठाढ़ करब, आ एकटा राजा राज करत आ समृद्ध होयत आ पृथ् वी पर न्याय आ न्याय करत। यिर्मयाह 23:5

ओहि समय मे आ ओहि समय मे हम धार्मिकताक शाखा केँ दाऊद धरि बढ़ा देब। ओ देश मे न्याय आ धार्मिकताक निर्वहन करत। यिर्मयाह 33:15

जे सूद पर नहि देलक आ ने कोनो उपजा नहि लेलक, जे अधर्म सँ हाथ हटि लेलक, से मनुष् यक आ मनुष् यक बीच सत् य निर्णय कयलक, ओ हमर नियम मे चलैत अछि आ हमर निर्णय केँ पालन करैत अछि आ सच्चा व्यवहार करबाक लेल। ओ धर्मी अछि, ओ अवश्य जीवित रहत, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि। इजकिएल 18:8-9

प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। हे इस्राएलक राजकुमार सभ, अहाँ सभ एतबे पर्याप्त रहू, हिंसा आ लूट-पाट केँ दूर करू, आ न्याय आ न्याय करू, हमर लोक सभ सँ अपन वसूली छीनि लिअ, प्रभु परमेश् वर कहैत छथि। इजकिएल 45:9

तेँ हे राजा, हमर सलाह अहाँ केँ स्वीकार्य हो, आ धार्मिकता सँ अपन पाप केँ तोड़ि दियौक आ गरीब पर दया कऽ अपन अधर्म केँ तोड़ि दियौक। जँ अहाँक शान्तिक लम्बाइ भ' सकैत अछि। आब हम नबूकदनेस्सर स् वर्गक राजाक स्तुति आ स्तुति आ आदर करैत छी, जिनकर सभ काज सत् य आ हुनकर बाट पर न्याय अछि। दानियल 4:27,37

तखन राजा दारा सभ पृथ् वी मे रहनिहार सभ लोक, जाति आ भाषा सभ केँ लिखलनि। अहाँ सभक लेल शान्ति बढ़य। हम एकटा फरमान दैत छी जे हमर राज् य मे मनुष् य दानियलक परमेश् वरक समक्ष काँपैत आ भयभीत भऽ जाय, किएक तँ ओ जीवित परमेश् वर छथि आ अनन् त काल धरि टिकल छथि आ हुनकर राज्य जे नष्ट नहि होयत आ हुनकर राज् य अन् त धरि रहत।" ओ उद्धार करैत अछि आ उद्धार करैत अछि, आ ओ स् वर्ग आ पृथ् वी पर चिन् त्र आ चमत् कार करैत अछि, जे दानियल केँ सिंह सभक सामर्थ् य सँ बचाओल गेल अछि। दानियल 6:25-27

तेँ अहाँ अपन परमेश् वर दिस घुरि जाउ, दया आ न्यायक पालन करू आ अपन परमेश् वरक प्रतीक्षा मे सदिखन रहू। होशे 12:6

अधलाह सँ घृणा करू, नीक सँ प्रेम करू आ फाटक मे न्याय केँ स्थापित करू। मुदा न् याय पानि जकाँ बहय, आ धार्मिकता एकटा प्रबल धार जकाँ। आमोस 5:15,24

सेना केरऽ परमेश् वर ई कहै छै, "सत्य न्याय करऽ, आरु हर एक अपनऽ भाय के प्रति दया आरू दया करऽ। आ अहाँ सभ मे सँ कियो अपन भाय पर अधलाहक कल्पना अपन मोन मे नहि करथि। जकरयाह 7:9-10

ई सभ काज अहाँ सभ करब। अहाँ सभ अपन-अपन पड़ोसी केँ सत् य बाजू। अपन फाटक मे सत्य आ शान्तिक न्याय करू। ओ झूठ शपथ नहि खाउ, किएक तँ ई सभटा एहन बात अछि जकरा हम घृणा करैत छी, परमेश् वर कहैत छथि। जकरयाह 8:16-17

सुसमाचार पत्र

यीशु कहलथिन, " बच्चा सभ केँ हमरा लग आबय सँ मना करू, किएक तँ स् वर्गक राज् य एहन सभक अछि।" मत्ती 19:14

तखन एहन विश्वासी आ बुद्धिमान सेवक के अछि, जकरा अपन मालिक अपन घरक मालिक बना देने छथि, जे समय पर हुनका सभ केँ भोजन देबथि? हम अहाँ सभ केँ सत् य कहैत छी जे ओ ओकरा अपन सभ सम् पत्ति पर अध् यक्ष बनाओत।" मत्ती २४:४५,४७

ओकर मालिक ओकरा कहलथिन, "हे नीक आ विश्वासी सेवक, नीक काज केलहुँ, अहाँ किछु बात पर विश्वासी रहलहुँ, हम अहाँ केँ बहुतो बात पर शासक बना देब। ओकर मालिक ओकरा कहलथिन, "हे नीक आ विश्वासी सेवक, नीक केलहुँ। अहाँ किछु बात पर विश्वासी रहलहुँ, हम अहाँ केँ बहुतो बात पर शासक बना देब। मत्ती 25:21,23

यीशु ओकरा सभ कैँ अपना लग बजा कऽ कहलथिन, " अहाँ सभ जनैत छी जे गैर-यहूदी सभ पर राज करऽ वला सभ ओकरा सभक प्रभुत्व करैत अछि। आ ओकर पैघ लोक सभ ओकरा सभ पर अधिकार रखैत छथि। मुदा अहाँ सभक बीच एहन नहि होयत, मुदा जे केओ अहाँ सभक बीच पैघ बनय चाहैत अछि, से अहाँ सभक सेवक बनत। मनुख-पुत्र सेहो सेवा कर' लेल नहि, बल् कि सेवा कर' लेल आ बहुतो लोकक मुक्ति मे अपन प्राण देब' लेल आयल छलाह। मरकुस १०:४२-४५

देखबाक अनुसार न्याय नहि करू, बल् कि धार्मिक न् याय पर न्याय करू। की हमर सभक व्यवस्था ककरो सुनबा सँ पहिने ओकर न्याय करैत अछि आ ओकरा की करैत अछि? यूहन्ना 7:24,51

पत्र

वा जे उपदेश दैत अछि, से उपदेश दैत अछि। जे शासन करैत अछि, से लगन सँ। जे दया करैत अछि, ओकरा हँसी-खुशी सँ। रोमियो 12:8

प्रत्येक प्राणी उच्च शक्तिक अधीन रहय। किएक तँ परमेश् वरक सिवाय कोनो सामर्थ् य नहि अछि। तेँ जे केओ सामर्थ् यक विरोध करैत अछि, से परमेश् वरक नियमक विरोध करैत अछि। कारण, शासक सभ नीक काजक लेल आतंकित नहि, बल् कि अधलाह काजक लेल आतंकित होइत छथि। तखन की अहाँ सामर्थ्य सँ नहि डेराएब? जे नीक काज अछि से करू, तखन अहाँ कैँ ओकर प्रशंसा होयत। मुदा जँ अहाँ अधलाह काज करैत छी तँ डरू। किएक तँ ओ अनेरे तलवार नहि लऽ कऽ चलैत अछि, किएक तँ ओ परमेश् वरक सेवक अछि आ अधलाह काज करऽ वला पर क्रोध करबाक बदला लेबऽ वला अछि। रोमियो 13:1-4

प्रभुक लेल मनुष्यक सभ नियमक अधीन रहू। वा राज्यपाल सभ कैँ, जेना हुनका द्वारा दुष्कर्मक सजा आ नीक काज करयवला सभक प्रशंसा करबाक लेल पठाओल गेल अछि। 1 पत्रुस 2:13-14

एपोक्रिफा

परमेश् वर फारसक राजा कोरसक आत् मा कैँ उठौलनि आ ओ अपन समस्त राज्य मे घोषणा कयलनि आ लिखि कऽ सेहो कहलनि जे, "फारसक राजा कोरस ई कहैत छथि।" इस्राएलक प्रभु, परम परमेश् वर, हमरा समस्त संसारक राजा बनौलनि, आ हमरा आज्ञा देलनि जे यरूशलेम मे यहूदी मे हुनका घर बनाबी। १ एस्द्रा २:२-४

आरू ई भी आज्ञा देलकै कि सीरिया आरू फीनीस के राज्यपाल सिसिनेस, आरू ओकरो सिनी के साथी सिनी आरो जे लोग सीरिया आरू फीनीस में शासक नियुक्त छेलै, ओकरा सिनी कॅ सावधान रहै कि वू जगह में हस्तक्षेप नै करै, बल्कि प्रभु के सेवक आरू यहूदिया के गवर्नर जरोबाबेल आरू यहूदी सिनी के बुजुर्ग सिनी कॅ वू जगह पर प्रभु के घर बनाबै के अनुमति दै। 1 एस्रास 6:27

एस्द्रास कैँ बहुत पैघ लूरि छलनि, जाहि सँ ओ परमेश् वरक धर्म-नियम आ आज्ञा मे सँ कोनो बात नहि छोड़लनि, बल् कि समस्त इस्राएल कैँ नियम आ न् याय सभक शिक्षा देलनि। १ एस्द्रा ८:७

तहिना सभ जाति प्रभुक स्तुति करत, आ ओकर लोक परमेश् वर केँ स्वीकार करत, आ प्रभु अपन लोक केँ ऊँच करताह। जे सभ परमेश् वर परमेश् वर सँ सत् य आ न्याय सँ प्रेम करैत अछि, से सभ हमरा सभक भाय सभ पर दया करैत आनन्दित होयत। टोबिट 14:7

तकर बाद हम अनेक राष्ट्र पर प्रभु बनि गेलहुँ आ समस्त संसार पर प्रभुत्व रखलहुँ, अपन अधिकारक अनुमान सँ नहि उठल, अपितु सदिखन समानता आ कोमलताक संग अपना केँ ढोबैत, हमर उद्देश्य छल जे अपन प्रजा केँ निरंतर शान्त जीवन मे बसाबी, आ अपन राज्य केँ शांतिपूर्ण बनाबी, आ अत्यंत तट धरि गुजरबाक लेल खुजल रही, शांति केँ नवीनीकरण करबाक लेल, जे सब मनुष्यक लेल वांछित अछि। एस्थेर 13:2 मे जोड़ल गेल अछि

तेँ हे राजा सभ सुनू आ बुझू। हे पृथ्वीक छोर पर न्यायाधीश बनब, सीखू। हे लोक सभ पर राज करऽ वला सभ कान करू आ जाति सभक भीड़ मे घमंड करू। कारण, प्रभु द्वारा अहाँ सभ केँ सामर्थ् य आ सर्वोच्च परमेश् वर सँ प्रभुत्व देल गेल अछि, जे अहाँ सभक काज केँ परखताह आ अहाँक विचार-विचार केँ परखताह। सुलेमान 6:1-3 के बुद्धि

तेँ बुद्धिक इच्छा कोनो राज्य मे अनैत अछि। हे लोकक राजा सभ, जँ अहाँ सभक आनन्द सिंहासन आ राजदंड मे अछि, तँ बुद्धिक आदर करू, जाहि सँ अहाँ सभ अनन्त काल धरि राज करब। सुलेमान 6:20-21 के बुद्धि

जँ धन एहि जीवन मे वांछनीय सम्पत्ति हो; बुद्धि सँ बेसी धनिक की अछि जे सभ काज करैत अछि? आ जँ विवेक काज करैत अछि; ओहि सभ मे सँ के अछि जे हुनका सँ बेसी धूर्त मजदूर अछि? जँ केओ धार्मिकता सँ प्रेम करैत अछि तँ ओकर परिश्रम सद्गुण होइत छैक, किएक तँ ओ संयम आ विवेक, न्याय आ धैर्य सिखाबैत अछि। सुलेमान 8:5-7 के बुद्धि

जे अपराध कष्ट भोगैत अछि तकरा अत्याचारी के हाथ सँ मुक्त करू। जखन अहाँ न् याय मे बैसल रहब तखन क्षीण नहि होउ। सिराक 4:9

कारीगरक हाथ सँ काज प्रशंसित होयत, आ लोकक बुद्धिमान शासक अपन बातक लेल। सिराक ९:१७

बुद्धिमान न्यायाधीश अपन लोक केँ शिक्षा देत। आ विवेकी आदमीक सरकार नीक जकाँ व्यवस्थित होइत छैक | जहिना लोकक न्यायाधीश स्वयं होइत छथि, तहिना ओकर अधिकारी सभ सेहो छथि। नगरक शासक केहन मनुख होइत अछि, ओहि मे रहनिहार सभ एहन अछि। अबुद्धिमान राजा अपन लोक केँ नष्ट क' दैत अछि। मुदा अधिकारिणी सभक विवेकक कारणेँ एहि नगर मे आबाद होयत। सिराक १०:१-३

अधिकार प्राप्त करबा सँ पहिने प्रभुक भय होइत छैक, मुदा रूक्षता आ घमंड ओकर हानि होइत छैक। महान लोक, न्यायाधीश आ सामर्थ्यवान सभक आदर कयल जायत। तैयो प्रभु सँ डेराएबला सँ पैघ कियो नहि अछि।" सिराक १०:२१,२४

किएक तँ ओ सभ पृथ् वीक जाति सभक बँटवारा मे सभ प्रजा पर एकटा शासक बनौलनि। मुदा इस्राएल प्रभुक भाग अछि: सिराक 17:17

जे सभ प्रभु सँ डेरैत अछि, ओकरा सभ केँ न् याय भेटतैक आ ओ सभ न्याय केँ इजोत जकाँ प्रज्वलित करत। सिराक 32:16

ओ ओकरा अपन आज्ञा आ न्यायक नियम मे अधिकार देलथिन जे ओ याकूब केँ गवाही सिखाबथि आ इस्राएल केँ अपन नियम मे सूचित करथि। सिराक ४५:१७

दाऊद दयालु होय के कारण अनन्त राज्य के सिंहासन पर कब्जा करी लेलकै। १ मक्काबी २:५७

एहि लेल लोक सभ सिमोनक काज गबैत रहलाह आ ओ अपन जाति केँ जे महिमा अनबाक लेल सोचैत छलाह, हुनका अपन राज्यपाल आ मुख्य पुरोहित बनौलनि, किएक तँ ओ ई सभ काज कएने छलाह, आ अपन जातिक संग जे न्याय आ विश् वास रखलनि, आ एहि लेल ओ अपन लोक केँ ऊँच करबाक लेल सभ तरहेँ चाहैत छलाह। १ मक्काबी १४:३५